15 मई 25 के पश्चात इग्रुआ में हुई प्रगति

1. **उड़ान घंटे**. इग्रुआ में उड़ान गतिविधियों में पिछले दो वित्तीय वर्षों की तुलना में **54% से 78%** की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में क्रमशः 9,400 एवं 11,031 उड़ान घंटे पूरे किए गए। 15 मई 25 के पश्चात इग्रुआ वर्तमान में लगभग **17,000 उड़ान घंटे प्रतिवर्ष** की दर से उड़ान संचालन कर रहा है। यह उपलब्धि विमान संख्या में किसी वृद्धि के बिना तथा एफटीसी 01/2025 के अंतर्गत दृश्यता संबंधी महत्वपूर्ण प्रतिबंधों के बावजूद प्राप्त की गई है।

2. **विमान उपलब्धता**. उड़ान हेतु विमानों की उपलब्धता में **30%** से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

3. **विमान उपयोग दर**. पिछले दो वित्तीय वर्षों की तुलना में विमान उपयोग दर में **46% से 70%** की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में औसत उपयोग **60.7** घंटे तथा 2024-25 में **70.3** घंटे रहा। 15 मई 25 के पश्चात यह बढ़कर **103.5** घंटे हो गया है। इसे जनवरी से मार्च 2026 के दौरान 135 घंटे तक बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

4. **अतिरिक्त बेस से वर्षभर उड़ान संचालन**. 05 नवंबर 25 से इग्रुआ द्वारा दो बेस (फुरसतगंज एवं गोंदिया) से एक साथ वर्षभर उड़ान संचालन किया जा रहा है।

5. **अवकाशों में भी उड़ान संचालन**. 01 सितंबर 25 से इग्रुआ द्वारा निरंतर उड़ान संचालन किया जा रहा है, जिसमें अवकाश, रविवार आदि भी सम्मिलित हैं। केवल दीपावली के अवसर पर एक दिन का अवकाश था।

6. **शीतकालीन महीनों में उड़ान प्रयास**. नवंबर 24, दिसंबर 24 एवं जनवरी 25 में क्रमशः 336, 563 एवं 707 उड़ान घंटे पूरे किए गए थे। इसके उलट नवंबर 25 एवं दिसंबर 25 में क्रमशः 1,283 एवं 1,545 उड़ान घंटे पूरे किए गए। जनवरी 2026 में उड़ान घंटे 2,000 से अधिक होने की संभावना है।

7. **वित्तीय स्थिरता**. पिछले दो दशकों में पहली बार इग्रुआ ने वित्तीय स्थिरता के संकेत प्रदर्शित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में ₹8.9 करोड़ के घाटे के मुकाबले 2025-26 में घाटा घटकर लगभग ₹3.5 करोड़ होने की संभावना है। वित्तीय वर्ष **2026-27** में इग्रुआ के खाते मे दो दशकों से अधिक समय बाद पहली बार **लाभ की स्थिति में** आने की तरफ है। यह उपलब्धि पूर्णतः इग्रुआ के आंतरिक संसाधनों से प्राप्त की जा रही है। किसी भी प्रकार की वित्तीय, उपकरण अथवा सामग्री सहायता बाह्य स्रोतों से प्राप्त नहीं हुई है।

8. इन सभी प्रयासों के साथ-साथ **उड़ान प्रशिक्षण की गुणवत्ता** में भी उल्लेखनीय सुधार किया गया है तथा पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सभी नियामक दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।